पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड

<u>कार्य-निष्पादन समीक्षा - 31 मार्च 2022 को समाप्त तिमाही/वित्तीय वर्ष</u>

पीएफसी ने 25 मई, 2022 को दिनांक 31 मार्च, 2022 को समाप्त तिमाही/वित्तीय वर्ष के लिए अपने वित्तीय परिणाम की उद्घोषणा की। तिमाही4'22 और वित्तीय वर्ष'22 के लिए कार्य-निष्पादन विशेषताओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क) वित्तीय कार्य-निष्पादन

1) समेकित वित्तीय कार्य-निष्पादन

- विव'21 से कर पश्चात समेकित लाभ में 19% की वृद्धि - विव'22 के लिए 18,768 करोड़ रुपए पर कर पश्चात लाभ बनाम विव'21 के लिए 15,716 करोड़ रुपए
- विव'21 से निवल ब्याज आय में 15% की वृद्धि - विव'22 के लिए 30,178 करोड़ रुपए पर निवल ब्याज आय बनाम विव'21 के लिए 26,162 करोड़ रुपए
- दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के कारण विव'21 में 1.91% से विव'22 में 1.60% की समेकित निवल एनपीए अनुपात में 31 बीपीएस की कमी।
- दबावग्रस्त परिसंपत्तियों के समाधान के कारण विव'21 में 5.29% से विव'22 में 5.02% की समेकित सकल एनपीए अनुपात में कमी।
- सभी सीपीएसई(यों) में पीएफसी समूह का सबसे बड़ा समेकित तुलन-पत्र - दिनांक 31.03.2022 तक 7,91,000 करोड़ रुपए का तुलन-पत्र आकार

2) एकल वित्तीय कार्य-निष्पादन

- पीएफसी ने 10,022 करोड़ रुपए का अब तक का उच्चतम वार्षिक लाभ दर्ज किया, विव'21 से कर पश्चात लाभ में 19% की वृद्धि - विव'22 के लिए 10,022 करोड़ रुपए पर कर पश्चात लाभ बनाम विव'21 के लिए 8,444 करोड़ रुपए
- बोर्ड द्वारा प्रस्तावित प्रति शेयर 1.25 रुपए का अंतरिम लाभांश, जिससे इस वित्तीय वर्ष का संचयी लाभांश 12 रुपए प्रति शेयर हो गया है
- पीएफसी ने उचित स्तर पर सीआरएआर को बनाए रखा है। दिनांक 31.03.2022 तक सीआरएआर 23.48% है। इसके अतिरिक्त, लाभांश भुगतान के बाद भी, पीएफसी सीआरएआर आगे भी समुचित स्तरों पर ही रहेगा।

- **प्रमुख वित्तीय संकेतक**
  - तिमाही4'22 एवं विव'22 दोनों के लिए अर्जक परिसंपत्तियों पर प्रतिफल में तिमाही4'21 एवं विव'21 की तुलना में क्रमशः 38 बीपीएस एवं 36 बीपीएस की कमी देखी गई है।

    विव'22 के दौरान, पीएफसी ने अपने ऋणकर्ताओं को लागत हितलाभ देने के लिए 75 बीपीएस - 200 बीपीएस की रेंज में ब्याज दर में कमी की है। चूंकि ऋण पोर्टफोलियो का पुन: मूल्यनिर्धारण

किया जा रहा है, अतः प्रतिफल में कमी दिखाई देती है। इससे वर्ष के दौरान प्रतिफल में डाउनवर्ड चलन हो रहा है तथा आगे चलकर परिणामी प्रभाव होंगे।

- तिमाही4'22 के लिए निधियों की लागत 7.05% पर है - वित्त'22 के लिए 7.30% है, जिसमें तिमाही4'21/वित्त'21 की तुलना में क्रमशः 20 बीपीएस और 18 बीपीएस की कमी दर्ज की गई।

  वित्त'22 में कम ब्याज दर परिदृश्य के कारण, पीएफसी के लिए निधि की लागत में कमी आई है। हालांकि, आरबीआई द्वारा हाल ही में दरों में वृद्धि के साथ, ब्याज दरें बढ़ रही हैं, इसलिए, हम बाजार के परिदृश्य को प्रतिबिंबित करने के लिए पीएफसी की निधि की लागत की परिकल्पना करते हैं।

- प्रतिफल में कमी और लागत में सुधार के संयुक्त प्रभाव के साथ, वित्त'22 के लिए अर्जक परिसंपत्ति पर स्प्रेड और एनआईएम क्रमशः 2.92% और 3.62% रहा। ग्राहक मूल्यनिर्धारण में पीएफसी के लचीलेपन को देखते हुए, हम मानते हैं कि मौजूदा बढ़ती ब्याज दर के माहौल में पीएफसी अपने स्प्रेड और एनआईएम का प्रबंधन करने में सक्षम होगा।

ग) परिसंपत्ति गुणवत्ता

1) एनपीए स्थिति पर अद्यतन

- पूर्ववर्ती मार्गदर्शन के अनुरूप, तिमाही के दौरान 1,569 करोड़ रुपए की दबावग्रस्त परिसंपत्तियों का समाधान किया गया अर्थात
  - 1,345 करोड़ रुपए का एस्सार पावर एमपी लिमिटेड ऋण। यह 1200 मेगावाट का चालू थर्मल प्लांट है और इसका एनसीएलटी के अंतर्गत समाधान किया गया था।
  - 224 करोड़ रुपए का आरएस इंडिया पवन ऊर्जा ऋण। यह पवन ऊर्जा पर आधारित 41 मेगावाट का चालू संयंत्र है। ऋणकर्ता के साथ एक बारगी निपटान के माध्यम से समाधान किया गया है।

  दोनों ऋणों पर पर्याप्त प्रावधान उपलब्ध था।

  उपर्युक्त दो समाधानों को शामिल करने के बाद, वित्त'22 के दौरान 2,787 करोड़ रुपए की कुल 5 दबावग्रस्त परिसंपत्ति अर्थात एस्सार पावर एमपी (1,345 करोड़ रुपए), आरएस इंडिया विंड एनर्जी (224 करोड़ रुपए), जीवीके रतले (1,116 करोड़), एस्टनफील्ड सोलर (26 करोड़) और कृष्णा गोदावरी (76 करोड़ रुपए)।

- हमारे सक्रिय समाधान प्रयासों के माध्यम से, निवल एनपीए का स्तर 5 वर्ष में सबसे कम है - वित्त'22 के लिए निवल एनपीए अनुपात 1.76% है, जो कि वित्त'21 में 2.09% है।

- सकल एनपीए का स्तर भी वित्त'21 में 5.70% से घटकर वित्त'22 में 5.61% हो गया है।

2) समाधान स्थिति पर अद्यतन

- वर्तमान में, 23 दबावग्रस्त परियोजनाएं चरण III में हैं। इनमें से 15,338 करोड़ रुपए की 14 परियोजनाओं का एनसीएलटी के माध्यम से समाधान किया जा रहा है और 5,578 करोड़ रुपए की

बाकी 9 परियोजनाओं का एनसीएलटी से बाहर समाधान किया जा रहा है। समाधान के अंतर्गत प्रमुख परियोजनाओं की विस्तृत स्थिति ति4'22/विव'22' के लिए निवेशक प्रस्तुतिकरण में उपलब्ध है

- उपर्युक्त 23 परियोजनाओं में से, 3,027 करोड़ रुपए की बकाया राशि वाली 2 परियोजनाएं एनसीएलटी के अंतर्गत समाधान के अग्रिम चरण में हैं। दोनों ही मामलों में, परियोजना के लिए बोली प्रक्रिया पूरी हो गई है और समाधान योजना एनसीएलटी के अनुमोदन हेतु प्रस्तुत की गई है।

  उपर्युक्त 2 परियोजनाएं निम्नानुसार हैं
  - साउथ ईस्ट यूपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी का 2,263 करोड़ रुपए का ऋण। यह पारेषण परियोजना है, जिसमें परियोजना का प्रथम चरण चालू हो गया है।
  - झाबुआ पावर लिमिटेड का 764 करोड़ रुपए का ऋण। यह 600 मेगावाट की चालू थर्मल परियोजना है।

  दोनों ऋणों में पर्याप्त प्रावधान रखा गया है।

3) प्रावधान की स्थिति

- चरण III ऋणों पर प्रावधान समान रेंज में बनाए रखा जाना जारी है। दिनांक 31.03.2022 तक, चरण III ऋणों पर प्रावधान कवरेज 69% है।

घ) विद्युत क्षेत्र और पीएफसी का बिजनेस आउटलुक

- **मांग परिदृश्य**

  - विव'22 में, कोविड महामारी के प्रभावों के कारण विद्युत की मांग प्रभावित रही। अब, औद्योगिक और वाणिज्यिक गतिविधियों के पुनः शुरू होने के साथ, मांग बढ़ रही है। साथ ही, गर्मी जल्द शुरू होने के साथ ही, मांग और भी बढ़ गई है। इसे विद्युत मंत्रालय द्वारा जारी निम्नलिखित आंकड़ों से देखा जा सकता है:

    – विव'22 में, ऊर्जा की आवश्यकता में विव'21 की तुलना में लगभग 7.8% की वृद्धि हुई
    – अप्रैल 2022 में, अखिल भारतीय विद्युत की मांग 201जीडबल्यू को छू गई, जो जुलाई'21 में पिछले स्तरों को पार कर गई।
    – इसके अतिरिक्त, विद्युत मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार मई-जून के महीनों में मांग लगभग 215-220 गीगावॉट तक पहुंचने की उम्मीद है।

  - विद्युत उत्पादन में चुनौतियों के साथ-साथ मांग में अचानक वृद्धि ने देश में विद्युत संकट उत्पन्न किया है। सरकार द्वारा स्थिति की बारीकी से निगरानी की जा रही है और पीएफसी संकट के इस समय में राज्य और निजी उत्पादन कंपनियों का समर्थन करने के लिए नीतिगत फ्रेमवर्क तैयार करने हेतु उनके साथ सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

- **पीएफसी का बिजनेस आउटलुक**

    - पिछले 2 वर्षों में, महामारी संबंधी लॉकडाउन से आर्थिक गतिविधि प्रभावित हुई थी। इसने विद्युत की मांग के साथ-साथ निर्माण गतिविधि को भी धीमा कर दिया, जिसने बदले में विद्युत क्षेत्र में नए कैपेक्स परिवर्धन को प्रभावित किया। इसे देखते हुए पीएफसी की ऋण बही में मामूली वृद्धि देखी गई।

    - आर्थिक गतिविधियों के फिर से शुरू होने और विद्युत की मांग में वृद्धि से विद्युत क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है, जिसके परिणामस्वरूप इस क्षेत्र में नए कैपेक्स जोड़े जाएंगे। अतः हमारी परिकल्पना है कि भारत के आर्थिक विकास के साथ पीएफसी की ऋण वृद्धि में धीरे-धीरे सुधार होगा।

ड़) ऋण राशि

- 31.03.2022 तक, पीएफसी की बकाया ऋण राशि 3,20,128 करोड़ रुपए है, जिसमें से 74% फिक्स्ड रेटेड देयताएं हैं और 26% फ्लोटिंग रेटिंग देयताएं हैं।

- वर्ष के दौरान, पीएफसी ने कम ब्याज दर व्यवस्था पर पूंजीकरण किया और 5.27% की भारित औसत सीमांत लागत पर 6.34 वर्ष की भारित औसत परिपक्वता के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के माध्यम से 35,944 करोड़ रुपए जुटाए।

- विदेशी मुद्रा ऋण के मोर्चे पर, पीएफसी ने निश्चित दर के आधार पर कुल 960 मिलियन यूएसडी जुटाया। 31.03.2022 तक, कुल बकाया विदेशी ऋण पोर्टफोलियो में से लगभग 70% पोर्टफोलियो निश्चित दर के आधार पर है। इस तरह के निश्चित दर पोर्टफोलियो से पीएफसी के लाभ एवं हानि को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अचानक बढ़ी दर से बचाने में मदद मिलेगी।

- साथ ही, पीएफसी के लाभ को विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव के प्रतिकूल प्रभाव से बचाने के लिए, पीएफसी सक्रिय रूप से अपने विदेशी मुद्रा ऋणों की हेजिंग पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। 31.03.2022 तक, 5 वर्ष तक की अवशिष्ट परिपक्वता वाले पोर्टफोलियो के लगभग 92% को विनिमय जोखिम के लिए हेज किया गया है और इसमें से 100% अमेरिकी डॉलर मूल्यवर्ग के ऋण को हेज किया गया है। साथ ही, कुल विदेशी मुद्रा पोर्टफोलियो का लगभग 55% विनिमय जोखिम के लिए हेज किया गया है।

***